स्टार्टअप हब बन रहा यूपी, रोजगार के अवसर मिलेंगे

स्टार्टअप हब बन रहा यूपी, मिलेंगे रोजगार के नए अवसर

लखनऊ। स्टार्ट इन यूपी नीति के तहत प्रदेश में स्थापित सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए 27.18 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इन केंद्रों के माध्यम से प्रदेश में नवाचार, तकनीकी अनुसंधान और उद्यमिता को गति मिल रही है, जिससे उत्तर प्रदेश तेजी से स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्देश्य स्टार्टअप्स को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सरकार का लक्ष्य है कि ये सभी केंद्र अगले पांच वर्षों में आत्मनिर्भर बनें। नीति के तहत प्रत्येक सेंटर को अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक का संस्थागत सहयोग प्रदान किया जाएगा।

आईआईटी कानपुर, आईआईटी रुड़की और आईआईएम लखनऊ जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से स्टार्टअप्स को अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, मेंटरशिप और इंडस्ट्री कनेक्ट की सुविधा मिल रही है। प्रदेश में स्थापित ये सेंटर ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), 5जी/6जी टेलीकॉम, हेल्थटेक, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और ड्रोन टेक्नोलॉजी जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। ब्यूरो